

गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में लौटा निवेश

अभिषेक कुमार
मुंबई, 2 जुलाई

पिछले चार महीनों से कीमती धातुओं के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी घट रही थी। लेकिन जून में इसमें जबरदस्त उछाल आई। सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट के कारण निवेशकों ने इनमें फिर से पैसा लगाना शुरू किया। जून में सिल्वर ईटीएफ में अनुमानित तौर पर 4,900 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जबकि इससे पहले लगातार चार महीनों में कुल मिलाकर लगभग 3,770 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी। आई में एक साल से ज्यादा समय में पहली बार मासिक निवेश निकासी देखने के बाद गोल्ड ईटीएफ में भी अनुमानित तौर पर करीब 2,900 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। और यहां फिर से सकारात्मक हालात बन गए।

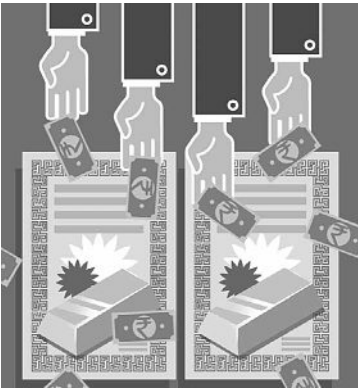
सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट के बाद इनमें फिर से दिलचस्पी बढ़ी है। जून में देश में सोने की कीमतों में करीब 9.7 फीसदी की गिरावट आई जबकि चांदी के दाम 14.4% घटे। इस तरह दोनों धातुएं कई महीनों के निचले स्तर पर आ गईं। यह गिरावट अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी से आई। साथ ही इस उम्मीद से भी दाम घटे कि अमेरिकी फेडरल

रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखेगा। भूराजनीतिक तनाव कम होने से सुरक्षित निवेश की मांग भी कम हो गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि जून में हुए निवेश से पता चलता है कि हाल के महीनों में दूर रहने के बाद कई निवेशकों ने कीमतों में आई गिरावट को खरीदारी का मौका माना। उन्होंने यह भी कहा कि जनवरी में निवेश में हुई रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बाद भले ही इसमें थोड़ी कमी आई हो, लेकिन कीमती धातुओं में लंबे समय के लिए निवेश का आधार अभी भी मजबूत बना हुआ है।।

इक्विटी समूह में वेल्थ प्रमुख अमित बिवालकर ने कहा कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, भूराजनीतिक अनिश्चितता और रुपये की गिरती कीमत के बीच निवेशकों का सुरक्षित ठिकाने के तौर पर कीमती धातुओं की ओर बढ़ना जारी है। शेयर बाजार के कमजोर प्रदर्शन के दौरान महंगाई से बचाव और पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले पारंपरिक साधन के तौर पर सोने की अहमियत और भी बढ़ गई है।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में निवेश बढ़ने की वजह जरूरी नहीं कि सिर्फ व्यक्तिगत निवेशकों का पैसा हो। वैल्यूमैटिक्स टेक्नालजीज के सह-संस्थापक मनुज जैन ने कहा, हाल के वर्षों में मल्टी-एसेट कैटेगरी, जिसमें फंड ऑफ फंड्स यानी एफओएफ शामिल हैं, काफी बढ़ी है और



खिनय सिन्हा

दोनों कीमती धातुओं में गिरावट के बाद चमक फिर से आई, मई में निकासी के बाद जून में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में आया 8,000 करोड़ रुपये का निवेश

अब ये सोने और चांदी के ईटीएफ में बड़े निवेशक बन गए हैं। हो सकता है कि कीमतों में सुधार के साथ कुछ फंड मैनेजरों ने अपना आवंटन बढ़ाया हो।

पिछले एक साल में कीमती धातुओं के ईटीएफ में जबरदस्त तेजी के बाद अब फिर से खरीदारी शुरू हुई है। भूराजनीतिक

अनिश्चितता और अमेरिका में मोंट्रिक नीति में नरमी की उम्मीदों के बीच सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। लिहाजा, निवेशकों ने कीमती धातुओं में रिकॉर्ड निवेश किया। घरेलू निवेशकों ने भी सोने और चांदी के ईटीएफ और फंड ऑफ फंड्स में निवेश करना ज्यादा पसंद किया। जनवरी में गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड 24,040 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि सिल्वर ईटीएफ में अब तक का सबसे ज्यादा 9,463 करोड़ रुपये का निवेश आया। लेकिन बाद के महीनों में निवेश की रफ्तार धीमी पड़ गई क्योंकि इन धातुओं की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से नीचे आ गईं और निवेशकों ने मुनाफा कमया।

वैल्लम कैपिटल के सीईओ और पोर्टफोलियो मैनेजर मनीष भंडारी ने कहा, हम पिछले छह महीनों से इंतजार में थे। अभी सोने के साथ समस्या उसकी थ्योरी की नहीं, बल्कि उसकी टाइमिंग की है। वॉश के चेयरमैन बनने की खबर से आम राय बदल गई है। पहले 2026 में दो कटौती की उम्मीद थी, जो अब खत्म हो गई है। डॉलर में भी उसी हिसाब से बदलाव आया है। डॉलर सूचकांक 97.6 से बढ़कर 101.6 हो गया है। अकेले इसी बात से ज्यादातर गिरावट की वजह समझी जा सकती है, क्योंकि पिछले पचास सालों से सोने और डॉलर के बीच हमेशा उलट संबंध रहा है।

विलय-अधिग्रहण फंडिंग के नियमों से निजी उधारी के लिए बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

खुशबू तिवारी
मुंबई, 2 जुलाई

मूडीज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियम लागू होने के बाद भारत के निजी क्षेत्र के ऋण बाजार को बैंकों से कड़ी टक्कर मिल सकती है। आरबीआई ने इस नियम के तहत बैंकों को अधिग्रहण के लिए वित्त पोषण की इजाजत दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि नए नियमों से कर्ज लेने वालों को फाइनैसिंग की लागत कम होने और इसकी उपलब्धता बढ़ने से फायदा हो सकता है। लेकिन इससे निजी ऋण देने वालों की कमाई कम हो सकती है और अधिग्रहण के लिए वित्त मुहैया कराने वाले सौदों की संख्या घट सकती है।

आरबीआई ने बैंकों को कंपनियों के अधिग्रहण के मामले में सौदे की वैल्यू का 75 प्रतिशत तक वित्त मुहैया कराने की इजाजत दी है। इस सेगमेंट में अभी तक वैकल्पिक फंडों का दबदबा रहा है। लेकिन इसमें

यह भी कहा गया है कि बैंकों और एनबीएफसी की ऋण देने की क्षमता पर सीमा से निजी क्रेडिट फंडों के लिए मौके बन सकते हैं। इसमें कहा गया है, 'बैंक पहले कंपनियों के लिए फाइनैसिंग का मुख्य जरिया रहे हैं। लेकिन उन्होंने परिसंपत्ति गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ऋण देने के नियमों को कड़ा कर दिया है, जबकि ऋण की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है।' मूडीज रेटिंग्स के

अनुसार भारत का निजी ऋण बाजार पिछले पांच वर्षों में दोगुना होकर 2025 के अंत तक प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) के मामले में 25 अरब डॉलर का हो गया है। कंपनी को देश में मजबूत वित्तीय मांग के बीच इसके और बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन मूडीज रेटिंग्स ने विदहोल्डिंग टेक्स के कारण विदेशी निवेशकों की रिटर्न से जुड़ी चुनौतियों की ओर भी इशारा किया है।

इसमें आगे कहा गया है, 'ब्याज आय पर विदहोल्डिंग टेक्स से ऑफशोर फंडिंग की कुल लागत बढ़ जाती है

और मुद्रा की वैल्यू घटने की संभावना के साथ यह विदेशी निवेशकों के रिटर्न को कम कर सकती है। इसलिए, विदेशी निवेशकों को ऊंची नॉमिनल रिटर्न चाहिए होती है और इसलिए वे खास तौर पर तैयार किए गए निजी ऋण के सौदों पर ध्यान देते हैं।'

यह ध्यान देने वाली बात है कि देश के पहले इंटरनैशनल फाइनैशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) यानी गिफ्ट सिटी में हुए सुधारों ने सीमा-पार

वित्त पोषण के लिए ज्यादा बेहतर माहौल बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राइवेट क्रेडिट सेगमेंट की वृद्धि का श्रेय 2016 में लागू हुए इनसॉल्वेंसी ऐंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) को जाता है। इसने कर्जदाताओं का भरोसा बढ़ाया, जिससे प्राइवेट क्रेडिट फंडों के लिए मुश्किल दौर से गुजर रही कंपनियों को कर्ज देने या जटिल ऋणों को बटुखाते में डालने की क्षमता में बढ़ोतरी हुई।

आईटी में सुधार और फिसलते कच्चे तेल से बाजारों में तेजी

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 2 जुलाई

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और तकनीकी शेयरों के दबदबे वाले उभरते बाजारों में नरमी के बीच आईटी शेयरों में सुधार ने बाजार का मूड बेहतर किया। इससे भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बेंचमार्क सेंसेक्स गुरुवार को 580 अंक यानी 0.8 फीसदी की बढ़त के साथ 77,502 पर बंद हुआ। निफ्टी 170 अंक यानी 0.7 फीसदी बढ़कर 24,176 पर पहुंचा। बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण 3.3 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 479 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

गुरुवार को चिप बनाने वाली वैश्विक फर्मों के शेयरों में बिकवाली के कारण दक्षिण कोरिया और ताइवान के बाजारों में गिरावट आई, क्योंकि बाजारों के महंगे मूल्यांकन को लेकर चिंता के चलते निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय तकनीकी शेयरों में वैल्यू बाईंग देखी गई, जबकि दूसरे एशियाई बाजारों में



एआई ट्रेड से फायदा उठाने वाले शेयरों में मुनाफावसूली हुई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 4.64 फीसदी बढ़ा और इसने 12 मई, 2025 के बाद अपनी सबसे अच्छी बढ़त दर्ज की। जनवरी-जून 2026 की अवधि में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 31 फीसदी की गिरावट आई है, जो 2003 के बाद से किसी कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीनों में सबसे बड़ी गिरावट थी। यह गिरावट इस चिंता के बीच आई कि आने वाले कुछ वर्षों में एआई आधारित राजस्व में कमी में और इजाफा हो सकता है, जिससे बड़ी आईटी कंपनियों के लिए वेल्थ बनाने का दौर संभवतः खत्म हो सकता है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (वेल्थ प्रबंधन) सिद्धार्थ

खेमका ने कहा, अमेरिका में महंगाई की चिंता घटने और घरेलू बाजार में शॉर्ट कवरीज के कारण निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगातार चार सत्र की गिरावट के बाद रिकवरी आई। लेकिन हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में मांग को लेकर टिप्पणी कमजोर रहेगी क्योंकि आर्थिक स्थिति, एआई और भूराजनीतिक अनिश्चितताओं का असर गैर-जरूरी खर्च और फैसले लेने की प्रक्रिया पर बना हुआ है।

ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार गिरावट से भी बाजार का मूड बेहतर हुआ। ब्रेंट क्रूड की स्पॉट कीमतें 1.08 फीसदी गिरकर 71.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। क्रूड की कीमतों में गिरावट से भारत को फायदा होता है क्योंकि वह क्रूड ऑयल का बड़ा आयातक है। आगे चलकर, मॉनसून की चाल से ही बाजार की दिशा तय होगी।

बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात मजबूत रहा और 2,464 शेयर चढ़े जबकि 1,832 में गिरावट आई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 312 करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाल रहे जबकि देसी संस्था 1,784 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे।

टीसीएस, इन्फोसिस: निफ्टी के 9 में से 8 शेयर 200 डीएमए से काफी नीचे

पुनीत वाधवा और रेक्स कैनो
नई दिल्ली/मुंबई, 2 जुलाई

निफ्टी आईटी सूचकांक में शामिल 9 में से 8 शेयर अभी अपने 200-दिन के मूविंग एवरेज (डीएमए) से 27 प्रतिशत तक नीचे कारोबार कर रहे हैं। यह खुलासा आंकड़े से होता है। निफ्टी आईटी सूचकांक 29,965 के स्तर पर बंद हुआ, जो उसके 200-डीएमए से 19 प्रतिशत से ज्यादा नीचे है।

आम तौर पर विश्लेषक किसी शेयर या सूचकांक के दीर्घावधि रुझान का पता लगाने के लिए 200-डीएमए इंडिकेटर का इस्तेमाल करते हैं। जो शेयर या सूचकांक इसके ऊपर कारोबार करते हैं, उन्हें पॉजिटिव दिशा में माना जाता है और इसके उलट स्थिति को निगेटिव समझा जाता है। निफ्टी आईटी शेयरों में, एलटीएम अपने 200-डीएमए के 27.3 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है, जिसके बाद टीसीएस अपने 200-डीएमए से 25.2 प्रतिशत नीचे है। इसके बाद इन्फोसिस (23.1 प्रतिशत नीचे), विप्रो (21.9 प्रतिशत) और एचसीएल टेक्नालजीज (20.9 प्रतिशत) का स्थान है।

आईटी सेक्टर की कंपनियों में सिर्फ ओरेकल फाइनैशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर (ओएफएसएस) ही ऐसी कंपनी रही जिसमें तेजी दिखी। उसने 2026 में अब तक 43 फीसदी से ज्यादा की बढ़त हासिल की है और यह अपने 200-डीएमए (जो 8,096 रुपये है) के मुकाबले 35 फीसदी ऊपर कारोबार कर रही है।

क्या अब आएगा सुधार

इंडेक्स/शेयर	मौजूदा भाव (₹.)	अब तक बदलाव (%)	200-डीएमए (₹.)	200-डीएमए से %
एलटीएम	3,681	-39.1	5,061	-27.3
टीसीएस	2,071	-35.8	2,769	-25.2
इन्फोसिस	1,043	-36.0	1,357	-23.1
विप्रो	174	-34.9	222.7	-21.9
एचसीएल टेक	1,081	-33.8	1,366	-20.9
निफ्टी आईटी	26,965	-29.4	33,441	-19.4
परसिस्टेंट	4,587	-27.0	5,498	-16.6
एम्फेसिस	2,248	-20.5	2,551	-11.9
टेक महिंद्रा	1,424	-11.4	1,487	-4.2
कोफोर्ज	1,442	-12.9	1,517	-4.9
ओरेकल	10,962	42.6	8,096	35.4

आंकड़े 2 जुलाई के बंद भाव पर आधारित, इंडेक्स वैल्यू एक्सचेंज सेंद्र में स्रोत: स्पाइडरसॉफ्टवेयर

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष नंदीश शाह के मुताबिक टेक्निकल नजरिये से निवेशकों को 25,700 के स्तर पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि यह सूचकांक के लिए अहम समर्थन स्तर है। रेलिगेयर ब्रोकिंग में रिसर्च के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्र भी आईटी सेक्टर में लगातार रिकवरी की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवार को आई रिकवरी असल में एक 'टेक्निकल पुलबैक' थी, क्योंकि ज्यादातर शेयर 'ओवरसोल्ड' हो चुके थे थे। उन्होंने कहा, 'निफ्टी आईटी के लिए संपूर्ण रुझान अभी भी नकारात्मक है और यह 24,300 के स्तर तक गिर सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 9 प्रतिशत कम है। टीसीएस के वित्त वर्ष

2027 की पहली तिमाही के नतीजे और अनुमान अहम रहेंगे। अगर नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे, तो सूचकांक 28,000 से 28,200 के स्तर तक जा सकता है, लेकिन वहां कुछ बिकवाली देखने को मिल सकती है। इसलिए सावधान रहें।'।

बुनियादी नजरिया

एक्सपर्ट जैसी कंपनियों ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया युद्ध का वृद्धि पर असर अल्पावधि में भी बना रहेगा। इसका मतलब है कि हमारी राय में भारतीय आईटी के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही धीमी रहेगी। नोमूरा का मानना ​​है कि भारतीय आईटी कंपनियों के लिए वित्त वर्ष 2027 सुस्त साल होगा।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

PUBLIC ANNOUNCEMENT

VAIBHAV VYAPAAR LIMITED

Corporate Identity Numbers: U51909WB2009PLC133054

Our Company was originally incorporated as Vaibhav Vyapaar Private Limited on 24.02.2009 under the Companies Act, 1956 with Corporate Identification Number of the Company U51909WB2009PTC133054, vide certificate of incorporation issued by the Registrar of Companies, West Bengal. Subsequently, the name of the company was changed from "Vaibhav Vyapaar Private Limited" to "Vaibhav Vyapaar Limited" under the Companies Act, 2013 pursuant to a special resolution passed by our shareholders at the Extra-Ordinary General Meeting held on 02.01.2026 and obtained fresh certificate of incorporation dated 02.06.2026 issued by the Registrar of Companies Central Processing Centre, Manesar with Corporate Identification Number of the Company U51909WB2009PLC133054. For details pertaining to the changes of name and registered office of our company, please refer to the chapter titled **"History and Corporate Structure"** on page no. 130 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Arch Square-X2, Unit-1406, 14th Floor, EP-GP Block, Sector V, Bidhannagar, Kolkata, Bidhan Nagar CK Market, North 24 Parganas, Saltlake, West Bengal, India, 700091
Corporate Office: 119 Road No 3 2nd Floor, EPIP Area Phase 1 Whitefield Road, Whitefield, Bangalore, Bangalore South, Karnataka, India, 560066.
Website: www.vaibhav-vyapaar.com **E-Mail:** investors@vaibhav-vyapaar.com; **Telephone No:** +91 40 6716 2222/ 1800 309 4001
Contact Person: Aditya Singh Solanki, Company Secretary and Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY

ITHA VENKATA RAGHAVA GOWRINATH AND CAPFRONT TECHNOLOGIES PRIVATE LIMITED

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 76,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 5/- EACH OF VAIBHAV VYAPAAR LIMITED ("VVL" OR THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING TO ₹ (●) LAKHS ("THE ISSUE"), OF WHICH (●) EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 5/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ (●) LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF (●) EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 5/- EACH AT A PRICE OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ (●)/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ (●) LAKHS IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE (●) % AND (●) %, RESPECTIVELY, OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 5/- EACH. THE ISSUE PRICE WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITIONS OF (●) (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH AND HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND AN EDITION OF (●) REGIONAL NEWSPAPER (IN REGIONAL LANGUAGE WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED). AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED "NSE") FOR THE PURPOSE OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE. FOR FURTHER DETAILS KINDLY REFER TO CHAPTER TITLED "TERMS OF THE ISSUE" BEGINNING ON PAGE NO. OF THIS DRAFT RED HERRING PROSPECTUS.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/ Issue Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/ Issue Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid /Issue Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid/ Issue Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/ Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a press release, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and the Sponsor Bank, as applicable.

This Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 22(2) of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, wherein not more than 50.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLMs may allocate up to 60.00% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis ("Anchor Investor Portion"). Forty per cent of the anchor investor portion, within the limits specified shall be reserved as – (i) 33.33 per cent for domestic mutual funds; and (ii) 6.67 per cent for life insurance companies and pension funds. Any under-subscription in the reserved category specified in clause (i) above may be allocated to domestic mutual funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds, at or above the Anchor Investor Allocation Price, in accordance with the SEBI ICDR Regulations 2018. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (other than the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5.00% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5.00% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion shall be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15.00% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors wherein (a) one third of the portion available to Non-Institutional Investors shall be reserved for Applicants with Application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹10 lakhs; (b) two third of the portion available to Non-Institutional Investors shall be reserved for Applicants with Application size of more than ₹10 lakhs; and (c) any unsubscribed portion in either of the sub-categories specified in clauses (a) or (b), may be allocated to Applicants in the other sub-category of Non-Institutional Investors; and not less than 35.00% of the Net Issue shall be available for allocation to Individual Investors, who applies for minimum application size in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. All Potential Bidders (except anchor investors) are required to participate in the Issue by mandatorily utilizing the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA Account (as defined hereinafter) in which the corresponding Bid Amounts shall be blocked by the Self Certified Syndicate Banks ("SCSBs") or under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. For details, see "Issue Procedure" on page no. 213 of the Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is being made in compliance with Regulation 247 of SEBI (ICDR), Regulations, 2018 and amendments thereof to inform the public that the Company is proposing, subject to requisite approvals, market conditions and other considerations, an initial public offering of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus dated July 01, 2026, with the Stock Exchange. Pursuant to SEBI ICDR Regulations, the Draft Red Herring Prospectus filed with Exchange shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 (twenty one) days from the date of such filing, by hosting it on the websites the BRLM at www.getfive.in and the Stock Exchange where the Equity Shares are proposed to be listed, i.e. NSE at www.nseindia.com. Our Company hereby invites the public to give their comments on the Draft Red Herring Prospectus filed with exchange in respect of disclosures made in the Draft Red Herring Prospectus. The public is requested to send a copy of the comments sent to exchange, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by our Company or the BRLM on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the Draft Red Herring Prospectus.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have neither been recommended nor approved by Securities and Exchange Board of India nor does Securities and Exchange Board of India guarantee the accuracy or adequacy of The Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section titled "Risk Factors" beginning on page 27 of the DRHP. Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus shall be made after a Red Herring Prospectus has been filed with the RoC. The Equity shares, when offered through the Draft Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of National Stock Exchange of India Limited.

For details of the main objects of the Company as contained in its Memorandum of Association, see "History and Corporate Structure" on page 130 of the Draft Red Herring Prospectus. The liability of the members of the Company is limited. For details of the share capital and capital structure of the Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them see "Capital Structure" on page 59 of the Draft Red Herring Prospectus.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE
Getfive* GETFIVE ADVISORS PRIVATE LIMITED SEBI Registration Number: INM000013147 Address: 502 Abhisheer Avenue, Nehrunagar, Manekbag, Ahmedabad, Ahmedabad City, Gujarat, India, 380015 Telephone Number: +91 79907 29901 Email Id: investor.grievance@getfive.in Investors Grievance Id: investor.grievance@getfive.in Website: www.getfive.in Contact Person: Aman Jain CIN: U70200GJ2023PTC144770	KFINTECH KFIN TECHNOLOGIES LIMITED SEBI Registration Number: INR000000221 Address: 301, The Centrum, 3rd Floor, 57, Lal Bahadur Shastri Road, Nav Pada, Kurla (West), Kurla, Mumbai, Maharashtra, India, 400070 Tel. Number: +91 40-67162222/18003094001 Email Id: vaibhav ipo@kfinitech.com Investors Grievance Id: einward.ris@kfinitech.com Website: https://www.kfinitech.com/ Contact Person: M. Murali Krishna CIN: L72400MH2017PLC444072
All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the Draft Red Herring Prospectus	

On behalf of Vaibhav Vyapaar Limited

Sd/-

Itha Venkata Raghava Gowrinath

Chairman and Managing Director

Vaibhav Vyapaar Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations to make an Initial Public Offering of its Equity Shares and has filed a Draft Red Herring Prospectus dated July 01, 2026 with EMERGE Platform of National Stock Exchange of India Limited ("NSE EMERGE"). The Draft Red Herring Prospectus shall be available on the website of NSE at www.nseindia.com, and the website of the BRLM at www.getfive.in. Any potential Investor should not rely on the Draft Red Herring Prospectus filed with exchange for making any investment decisions and should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and are requested to refer to the section titled "Risk Factors" beginning on page 27 of the Draft Red Herring Prospectus for details of the same.

This announcement has been prepared for publication in India and not to be released or distributed in the United States. This announcement is not an offer to sell or a solicitation of any offer to buy Equity Shares of our Company in any jurisdiction, including the United States. The Equity Shares offered in the Issue have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933 ("U.S. Securities Act") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be offered or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.